अनुक्रमांक ....

नाम ....

902 **802**

2024

प्रारम्भिक हिन्दी

(केवल नियमानुसार अनिवार्य हिन्दी से छूट पाये परीक्षार्थियों के लिए)

समय : तीन घण्टे 15 **मिनट**] [पूर्णांक : 70

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश :

i) **सभी प्रश्न** अनिवार्य **हैं** ।

ii) यह प्रश्नपत्र दो खण्डों, **खण्ड** – **अ** तथा **खण्ड** – **ब** में विभक्त है ।

iii) **खण्ड** – **अ** में **1** अंक के **20** बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिनके उत्तर **ओ० एम०** आर० उत्तर पत्रक पर **नीले** अथवा **काले बाल प्वाइंट पेन** से चिह्नित करें ।

iv) **खण्ड** – **अ** के प्रत्येक प्रश्न का निर्देश पढ़कर केवल प्रदत्त **ओ० एम० आर०** उत्तर पत्रक **पर** ही उत्तर दें । **ओ० एम० आर०** उत्तर **पत्रक पर उत्तर देने के पश्चात उसे नहीं काटें तथा** इरेजर अथवा **ह्वाइटनर का प्रयोग न करें ।**

v) प्रश्न के अंक उसके **सम्मुख** अंकित हैं ।

vi) **खण्ड** – **ब** में **50** अंक के वर्णनात्मक प्रश्न हैं ।

vii) **खण्ड** – **ब** में सभी प्रश्नों के उत्तर एक साथ ही करें ।

viii) **प्रथम प्रश्न से** आरम्भ **कीजिए तथा** अन्तिम **प्रश्न** तक करते जाइए । जो प्रश्न न आता हो उस पर **समय नष्ट न कीजिए ।**

खण्ड - अ

(बहु विकल्पीय प्रश्न)

निर्देश : प्रश्न संख्या 1 से 20 बहुविकल्पीय हैं । निम्नलिखित प्रश्नों में प्रत्येक के चार-चार वैकल्पिक उत्तर दिए गए हैं । उनमें से सही विकल्प चुनकर क्रमवार ओ० एम० आर० उत्तर पत्रक पर अंकित करें ।

1. 'भूले हुए चेहरे' रचना की विधा है

   (A) कहानी (B) उपन्यास

   (C) संस्मरण (D) निबन्ध 1

2. 'स्कन्दगुप्त' नाटक के रचनाकार हैं

   (A) इलाचन्द जोशी (B) डॉ० राम कुमार वर्मा

   (C) मोहन राकेश (D) जयशङ्कर प्रसाद 1

3. शुक्लयुगीन लेखक हैं

   (A) बाबू गुलाबराय (B) धर्मवीर भारती

   (C) मारकण्डेय (D) रांगेय राघव 1

4. भगवतीचरण वर्मा का उपन्यास है

   (A) गुनाहों का देवता (B) चित्रलेखा

   (C) संन्यासी (D) मैला आँचल 1

5. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के निबन्ध संग्रह का नाम है

   (A) विराम चिह्न (B) ठलुआ क्लब

   (C) चिन्तामणि (D) शिवशंभु के चिट्ठे 1

6. 'ललित-ललाम' के रचयिता हैं

(A) भूषण
(B) मतिराम
(C) केशव
(D) बिहारी 1

7. 'तारसप्तक' के सम्पादक हैं

(A) 'निराला'
(B) महादेवी वर्मा
(C) 'दिनकर'
(D) 'अज्ञेय' 1

8. 'प्रगतिवाद' युग के कवि हैं

(A) आलोक धन्वा
(B) धर्मवीर भारती
(C) नागार्जुन
(D) जगदीश गुप्त 1

9. काव्य की प्रवृत्ति एवं रचना शैली के आधार पर रीतिकाल की कितनी धाराएँ स्वीकार की गई हैं ?

(A) दो
(B) तीन
(C) चार
(D) इनमें से कोई नहीं 1

10. 'स्मृति की रेखाएँ' रचना है

(A) सुमित्रानन्दन पन्त की
(B) 'निराला' की
(C) महादेवी वर्मा की
(D) त्रिलोचन की 1

11. 'घनश्याम' में समास है

(A) बहुव्रीहि
(B) कर्मधारय
(C) द्वन्द्व
(D) तत्पुरुष 1

802

12. 'तालाब' का पर्याय है

(A) सरिता

(B) तटिनी

(C) वारिज

(D) जलाशय 1

13. 'अनुज' का विपरीतार्थी शब्द है

(A) ज्येष्ठ

(B) अग्रज

(C) कनिष्ठ

(D) आज्ञाकारी 1

14. 'किरपा' का तत्सम शब्द है

(A) कृपा

(B) क्रिपा

(C) किर्पा

(D) कीरपा 1

15. 'कुम्भकार' का तद्भव शब्द है

(A) कुम्हार

(B) कुमार

(C) कहाँर

(D) कुहोर 1

16. 'सत्य बोलने वाला' वाक्यांश हेतु एक शब्द होगा

(A) सच्चरित्र

(B) सत्यप्रतिज्ञ

(C) सदाचारी

(D) सत्यवादी 1

17. 'तस्मै' में विभक्ति और वचन हैं

(A) तृतीया विभक्ति, द्विवचन

(B) द्वितीया विभक्ति, एकवचन

(C) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(D) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन 1

18. "मुझे गाना नहीं आता है ।" अर्थ के आधार पर वाक्य का स्वरूप है

(A) संदेहात्मक वाक्य (B) संकेतार्थक वाक्य

(C) निषेधात्मक वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं 1

19. 'मोहन द्वारा चित्र बनाया गया ।' में वाच्य है

(A) कर्तृवाच्य (B) कर्मवाच्य

(C) भाववाच्य (D) इनमें से कोई नहीं 1

20. 'विकारी' शब्द के प्रकार हैं

(A) चार (B) तीन

(C) दो (D) इनमें से कोई नहीं 1

खण्ड – ब

(वर्णनात्मक प्रश्न)

1. दिए गए गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3 × 2 = 6

संस्कृति अथवा सामूहिक चेतना ही हमारे देश का प्राण है । इसी नैतिक चेतना के सूत्र से हमारे नगर और ग्राम, हमारे प्रदेश और सम्प्रदाय, हमारे विभिन्न वर्ग और जातियाँ आपस में बँधी हुई हैं । जहाँ उनमें और सब तरह की विभिन्नताएँ, वहाँ उन सब में यह एकता है । इसी बात को ठीक तरह से

पहचान लेने से बापू ने जनसाधारण को बुद्धिजीवियों के नेतृत्व में क्रान्ति करने के लिए तत्पर करने के लिए इसी नैतिक चेतना का सहारा लिया था।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) हमारे देश का प्राण क्या है ?

(iii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

अजन्ता संसार की चित्रकलाओं में अपना अद्वितीय स्थान रखता है । इतने प्राचीनकाल के इतने सजीव, इतने गतिमान, इतने बहुसंख्यक कथाप्राण चित्र कहीं नहीं बने । अजन्ता के चित्रों ने देश-विदेश सर्वत्र की चित्रकला को प्रभावित किया । उसका प्रभाव पूर्व के देशों की कला पर तो पड़ा ही, मध्य-पश्चिमी एशिया भी उसके कल्याणकर प्रभाव से वंचित न रह सका ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) एजन्ता किस कला के लिए अद्वितीय स्थान रखता है ?

(iii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

2. दिए गए पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3 × 2 = 6

चरन-कमल बंदौ हरि राइ ।

जाकी कृपा पंगु गिरि लंघै, अंधे को सब कछु दरसाइ ।

बहिरौ सुनै, गूँग पुनि बोलै, रंक चलै सिर छत्र धराइ ।

सूरदास स्वामी करुनामय, बार-बार बंदौ तिहि पाइ ।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश के शीर्षक तथा रचयिता का नाम लिखिए ।

(ii) रेखाङ्कित अंश में कौन-सा अलंकार है ? स्पष्ट कीजिए ।

(iii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

अतुलनीय जिनके प्रताप का,
साक्षी है प्रत्यक्ष दिवाकर ।
घूम-घूम कर देख चुका है,
जिनकी निर्मल कीर्ति निशाकर ।।
देख चुके हैं जिनका वैभव,
ये अनन्त के नभ तारागण ।
अगणित बार सुन चुका है नभ,
जिनका विजय-घोर रण-गर्जन ।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक एवं कवि का नाम लिखिए ।

(ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) भारत देश के प्रताप का साक्षी कौन-कौन है ?

3. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए। 3 + 2

(i) डॉ० राजेन्द्र प्रसाद

(ii) भगवत शरण उपाध्याय

(iii) जयशंकर प्रसाद ।

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक का जीवन-परिचय देते हुए उसकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए। 3 + 2 = 5

(i) सुमित्रानन्दन पन्त

(ii) सुभद्राकुमारी चौहान

(iii) तुलसीदास ।

4. (क) दिए गए संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

मानव-जीवनस्य संस्करणं संस्कृतिः । अस्माकं पूर्वजाः मानवजीवनं संस्कर्तुं महान्तं प्रयत्नम् अकुर्वन् । ते अस्माकं जीवनस्य संस्करणाय यान् आचारान् विचारान् च अदर्शयन् तत् सर्वम् अस्माकं संस्कृतिः ।

अथवा

नागरिक: बहुकालं यावत् अचिन्तयत्, परं प्रहेलिकायाः उत्तरं दातुं समर्थः न अभवत्, अतः ग्रामीणं अवदत्, अहम् अस्याः प्रहेलिकायाः उत्तरं न जानामि । इदं श्रुत्वा ग्रामीणः अकथयत्, यदि भवान् उत्तरं न जानाति, तर्हि ददातु दशरूप्यकाणि । अतः म्लानमुखेन नागरिकेण समयानुसारेण दशरूप्यकाणि दत्तानि ।

(ख) दिए गए श्लोकों में से किसी एक श्लोक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

2 + 3 = 5

मङ्गलं मरणं यत्र विभूतिर्यत्र भूषणम् ।

कौपीनं यत्र कौशेयं काशी केन मीयते ।।

अथवा

नितरां नीचोऽस्मीति त्वं खेदं कूप ! कदापि मा कृथाः ।

अत्यन्तसरसहृदयो यतः परेषां गुणग्रहीताऽसि ।।

5. दिए गए संस्कृत प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों का संस्कृत में उत्तर दीजिए : 2 + 2

(i) वाराणसी नगरी कुत्र स्थिता अस्ति ?

(ii) भूमेः गुरुतरं किम् अस्ति ?

(iii) दण्डदानेन खिन्नः कः आसीत् ?

6. (क) 'हास्य' रस की परिभाषा लिखकर उसका एक उदाहरण दीजिए । 2

(ख) 'रूपक' अलंकार की परिभाषा लिखकर उसका एक उदाहरण दीजिए । 2

(ग) दोहा छन्द के लक्षण लिखकर उसका एक उदाहरण दीजिए । 2

7. निम्नलिखित लोकोक्तियों एवं मुहावरों में से किसी एक का अर्थ लिखकर उसको अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए : 2

(i) एक पंथ दो काज

(ii) अन्धे के हाथ बटेर लगना

(iii) अन्त भला तो सब भला ।

8. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए :

(i) बढ़ती जनसंख्या : एक अभिशाप ।

(ii) विज्ञान का चमत्कार ।

(iii) स्वतन्त्रता-दिवस ।

(iv) सदाचार ।